चांदी ने रचा इतिहास, सोना भी रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंचा, वेदांता चेयरमैन ने बताई तेजी की बड़ी वजह

सोना और चांदी दोनों ही बाजार में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं. जहां चांदी ने ऑल टाइम हाई बनाकर निवेशकों का ध्यान खींचा है,

BW
BUSINESSWORLD
www.businessworld.in

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं की चमक लगातार तेज होती जा रही है. बुधवार को चांदी के दाम ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए, जबकि सोना भी ₹1.38 लाख के पार निकलते हुए रिकॉर्ड स्तर के बेहद करीब कारोबार करता दिखा. सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के साथ-साथ इंडस्ट्रियल यूज और वैश्विक रुझानों ने चांदी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है. इसी बीच वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने चांदी की इस तेजी को लेकर अहम टिप्पणी की है.

घरेलू बाजार में सोने की मजबूत शुरुआत

बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज MCX पर सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले. फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 181 रुपये की बढ़त के साथ 1,38,166 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,37,885 रुपये था.

कारोबार के दौरान सोने ने 1,38,469 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ और खबर लिखे जाने तक यह करीब 1,38,401 रुपये पर कारोबार कर रहा था. इससे पहले सोना 1,38,496 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है.

चांदी के दाम ऑल टाइम हाई पर

चांदी की कीमतों में तेजी और भी ज्यादा प्रभावशाली रही. MCX पर मार्च कॉन्ट्रैक्ट 1,347 रुपये की उछाल के साथ 2,21,000 रुपये पर खुला. कुछ ही समय में इसमें तेज खरीदारी देखी गई और चांदी ने 2,23,742 रुपये प्रति किलो का नया रिकॉर्ड बना दिया. खबर लिखे जाने के समय चांदी के भाव करीब 2,22,971 रुपये प्रति किलो पर थे.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रिकॉर्ड तेजी

वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतें नए शिखर पर पहुंच गईं. कॉमेक्स पर सोना 4,516.70 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 4,555.10 डॉलर के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया. वहीं चांदी के वायदा भाव 71.68 डॉलर प्रति औंस पर खुले और बढ़कर 72.75 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गए.

चांदी की मजबूती पर बड़ा संकेत

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चांदी की जबरदस्त तेजी को लेकर अपनी राय साझा की है. उन्होंने कहा कि इस साल चांदी ने अपने कीमती धातु भाई सोने की छाया से निकलकर खुद को अलग पहचान दिलाई है. डॉलर के लिहाज से साल-दर-साल चांदी में करीब 125 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई है. वहीं सोना भी एक मजबूत प्रदर्शन के साथ करीब 63 प्रतिशत बढ़ा, जो चांदी के रिटर्न का लगभग आधा है.

अनिल अग्रवाल के मुताबिक चांदी की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि इसकी असली शुरुआत अब हो रही है. उन्होंने कहा कि चांदी इसलिए अनोखी है क्योंकि यह इकलौती धातु है जिसमें अंतर्निहित मूल्य भी है और व्यावहारिक उपयोग की मजबूत मांग भी. सोलर सेल, रक्षा क्षेत्र और नई तकनीकों में

चांदी एक अहम घटक के रूप में इस्तेमाल होती है. भारत में चांदी का एकमात्र उत्पादक होने के नाते हिंदुस्तान जिंक में यह रुझान नजदीक से देखा जा रहा है.

निवेशकों की बढ़ती रुचि

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, ग्रीन एनर्जी सेक्टर की बढ़ती मांग और इंडस्ट्रियल उपयोग के चलते चांदी में निवेशकों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ी है. कीमतों में उतार-चढ़ाव जरूर रहेगा, लेकिन लंबी अवधि में चांदी की मांग मजबूत बनी रह सकती है.